2, Jun | Jaipur

दैनिक भास्कर
जयपुर
शुक्रवार 2 जून, 2017
www.bhaskar.com

DB.पे

ब्रेकिंग बॉर्डर

पीरियड्स...यूं तो महिलाओं के शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है लेकिन इन दिनों में शारीरिक दर्द के साथ ही शर्म और संकोच महिलाओं की तकलीफ को बढ़ा देता है। सच यह है कि यहां खामोशी नहीं बात करने की जरूरत है। खासतौर पर पुरुषों को। राजस्थान में दिल्ली का एक एनजीओ इन दिनों लड़कों के बीच इस मुद्दे पर संवेदनशीलता जगाने की कोशिश कर रहा है।

पीरियड्स पर शर्म नहीं, जरू

दिल्ली का एनजीओ राजस्थान में करेगा किशोरों की काउंसलिंग

पूजा शर्मा | भास्कर न्यूज़

हाल में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने लड़कों को पीरियड्स के बारे में संवेदनशील होने की जरूरत जताई है। अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना ने भी ट्विटर पर लिखा है - मेन्स्ट्रूएशन पर बात करने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। 28 मई को मेन्स्टुअल हाइजीन डे के रूप में मनाया भी गया। लेकिन सच यही है कि मेन्स्ट्रूएशन पर लोगों का रवैया हमेशा से रूढ़िवादी रहा है, इसीलिए महिलाओं के जीवन की सामान्य प्रक्रिया शर्मिन्दगी का विषय बन गई है। लेकिन थोड़ी-थोड़ी चुप्पी अब टूटने लगी है। दिल्ली का एक एनजीओ सेंटर फॉर हेल्थ एंड सोशल जस्टिस (सीएचएसजे) राजस्थान में उदयपुर व बूंदी के गांवों में जून के पहले हफ्ते से किशोर वार्ता प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। यह मिशन जेंडर व प्रजनन मुद्दों पर पुरुषों को शिक्षित करने का है। किशोर वार्ता के एक एपिसोड में मेन्स्ट्रूएशन काउंसलिंग शामिल है जहां ऑडियो स्टोरीज व इंटरेक्शन से पुरुषों को शिक्षित किया जाएगा। सीएचएसजे में प्रोजेक्ट मैनेजर रिमझिम जैन के मुताबिक किशोर जानकारी तो चाहते हैं, मगर पूछने में हिचकते हैं। इसीलिए ऐसे प्रोग्राम की जरूरत ज्यादा है।

सवाल जिन

Q क्या यह खराब खून
A शरीर से मासिक रक्
गर्भाशय की परत के
है। मेन्स्
एक
खून का
क्यों इस मेरी
नहीं ? क्या
A यह है।
व्यायाम इसमें कोई
Q क्या मैं इस वक्त में
A हां। यह कतई संक्र
Q उन्हें रसोई में क्यों न

फर्स्ट न्यूज | **भास्कर स्टिंग**

भास्कर दिखा रहा है राजधानी में सस्ते देसी घी की बीमार करने वाली सच्चाई

बेचने वाले बोले-असली नहीं...मगर सेफ है घी

सच्चाई : जांच में सारे सैंपल निकले अनसेफ

संदीप शर्मा, जयपुर

देसी घी के नाम पर नकली घी और मिलावटी दूध का कारोबार खूब फल-फूल रहा रहा है। शहर से लेकर गांवों और ढाणियों तक मिलावटियों ने पैठ बना रखी है। देसी घी 150 रुपए किलोग्राम तक में बिक रहा है तो दूध की कीमत उसमें मिलाए जाने वाली पानी पर तय हो रही हैं। मिलावटियों ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई से बचने के लिए कोड बना रखे हैं। दूधिए भले ही बोतलों और थैली में शुद्ध दूध की गारंटी देते हों लेकिन इनमें भी मिलावट तय है। इन सभी हकीकतों का खुलासा करने के लिए **भास्कर रिपोर्टर** उन जगहों पर पहुंचे, जहां यह सब गड़बड़ियां चल

तीन दुकानों पर घी की एक ही कहानी

दूसरा पहलू

हर तस्वीर के दो सच होते हैं...ले
जरिये **दैनिक भास्कर** की
दिखती चीज वाकई में खूबसूरत

फ्रंट है पहचान | आमेर
जयपुर

सेकेंड लीड

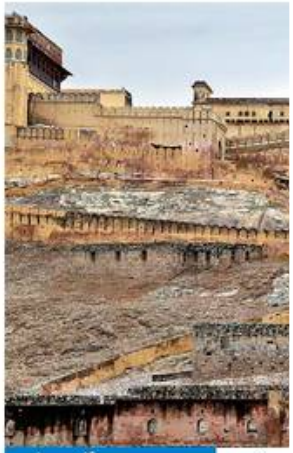

जयपुर में

Open Thumbnail

1 ... 5 6 7 ... 22

टीम कार्रवाई के लिए सिर्फ त्यौहारों का इंतजार करती हैं। यहां तक कि

जयपुर से महज 44 किलोमीटर दूरी पर बांसखो में एक दुकान पर हमने देसी घी

बांसखो में ही दूसरी दुकान पर गए और घी मांगा। भाव बताया गया-150 रुपए

मदन कलाल, जयपुर